क्या इस के लिए कुछ गांवों को वहां से हटाया गया है ?

श्री के० डी० मालवीय : तेल के कारखानों के लिए करीब एक हजार एकड़ जमीन हम ले चुके हैं और उस का मुआविजा भी दिया जा रहा है।

Fire in the Gorakhpur Unit of Fertilizer Corporation of India

*4. SHRI NARSINGH NARAIN PANDEY:

Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that in Gorakhpur unit of Fertilizer Corporation of India fire broke out twice during the last six months;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether Government have appointed any committee to enquire into the matter; and

(d) if so, the findings thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI C. P. MAJHI): (a) Yes, Sir.

(b) to (d). High powered Committees were set up by the Corporation on both the occasions. The Committees found that the first fire accident on 13th September 1975 was due to the bursting of a power cable and that the second on 14th November 1975 was due to non-observance of the requisite safety precautions.

श्री नरसिंह नारायण पांडे: एक बड़ा ही अजीबो गरीब जवाब है। नीचे पावर केबिल बैठा हुआ है, जिस पावर केबिल पर पत्थर भी ढका हुआ है और ऊपर अमोनिया का केबिल लगा हुआ है। दो महीने के अन्दर ये दोनों आग एक ही जगह पर लगीं। उस बारे में पहली रिपोर्ट जो थी वह रिपोर्ट क्या थी और दूसरी रिपोर्ट क्या थी ? दोनों रिपोर्टों को देखने के बाद क्या माननीय मंत्री जी कोई जिम्मेदारी किसीं के ऊपर लगाना चाहते हैं कि यह फायर कैसे हुई, कैसे ब्रोक आउट हुई ?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री पी० सी० सेठी) : अध्यक्ष महोदय, जहां तक पहली आग का सवाल है, एक कमेटी जो उस के लिए बैठी थी, उस का निर्णय यह है कि पहली आग एक्सीडेंटल है और उस के बारे में उन्होंने कोई रेस्पोंसिबिलिटी फिक्स नहीं की है। उन का यह कहना है कि वहां कुछ कम्बस्टेबिल मैटीरियल ट्रेंच में था जैसे कि नैफ्था, वेस्ट या ट्रेस आफ आयल और उस की वजह से केबिल बर्स्ट हो जाने से आग लग गई।

जहां तक दूसरी आग का सवाल है जोकि नवम्बर में लगी, उस के लिए कमेटी ने जिम्मेदारी फिक्स की है और उन के द्वारा जो जिम्मेदारी आयद की गई है, उस के हिसाब से कुछ अधिकारियों को ससपेंड किया गया है, जिन के नाम में सदन की जानकारी के लिए पढ़ना चाहता हूं :

Shri T. D. Srivastav, Foreman (Expansion).

Shri P. K. Sinha, Asstt. Plant Engineer.

Shri J.P Srivastav, Foreman.

Shri S. K. Basak, Foreman (Production).

Shri Ram Bihari, Chargeman (Production).

Shri S. Mukherjee, Asstt Foreman (Electricity).

श्री नरसिंह नारायण पांडे : क्या माननीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि जो **आबजर्वेन्स आफ़ दि रिक्वीजिट सेफ्टी प्रीकाशन्स** थी, उस का क्या हुआ यानी जो पहली आग लगी उस के बाद दूसरी आग लगने से पहले सेफ्टी प्रीकाशन्स क्यों नहीं ली गई ? मैं यह भी जानना चाहूंगा कि जो डिजाइन है वह पुराना डिजाइन है और उस को ठीक करने के लिए क्या कोई कदम उठाये गये हैं और मैं यह भी जानना चाहूंगा कि पहली और दूसरी आग लगने से क्या लास हुआ।

श्री पी० सी० सेठी : माननीय अध्यक्ष जी, पहली आग से करीब 6 लाख का नुकसान हुआ और दोनों आगों में केबिल्स जलें। दूसरी आग से करीब 9 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जहां तक इस नुकसान का ताल्लुक है क्योंकि यह इन्श्योर्ड था, इसलिये इन्शोरेंस कम्पनियों से मुआविजा लेने का प्रश्न सामने है।

जहां तक ट्रेंच में कुछ डिफेक्ट का सवाल है सेफ्टी प्रीकाशन्स पहली इक्वायरी कमेटी ने बताए थे और उन के नान-आबजरवेंस के कारण ही यह दूसरी आग लगी है और इसीलिए जिन लोगों ने उन का पालन नहीं किया है, उस के ऊपर जिम्मेदारी आयद की है और उन को सस्पेंड किया गया है और एगजेक्ट जिम्मेदारी लोकेट करने के लिए उन को चार्जशीट दे कर आगे कार्यवाही की जा रही है।

श्री नरसिंह नारायण पांडे : मैं ने यह पूछा था कि जो डिजाइन था वह पुराना डिजाइन था और उस को नये तरीके से ठीक करने के लिए क्या कमेटी ने कोई रिपोर्ट दी है ?

श्री पी० सी० सेठी : माननीय अध्यक्ष महोदय, कोई डिजाइन में डिफेक्ट नहीं था। ट्रेंच में डिफेक्ट था और उस को ठीक किया जा रहा है।

SHRI BISHWANATH ROY: How far has the factory been adversely affected and how far will it affect the cost of production?

SHRI P. C. SETHI: It is very difficult to assess the exact loss only on this account, but it is estimated that on account of the first fire which was in September there was a loss of production of 1400 tonnes of nitrogen and in the November fire it was about 2000 tonnes of Nitrogen. Apart from this, there is loss of production in this factory on account of, sometimes, low voltage and stoppage of electricity also.

श्री हरि किशोर सिंह : माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह बताया है कि सिर्फ जिम्मेदारी फारमेनों पर डाली गई हैं। मैं जानना चाहूंगा कि क्या फारमेन के ऊपर जो वरिष्ठ अधिकारी है वे इस के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकते हैं या उन्होंने अपना देखरेख में कोई त्रुटि नहीं की है ?

श्री पी० सी० सेठी : माननीय अध्यक्ष महोदय, एक कमेटी ने इस में पूरी छानबीन की है और छानबीन करने के पश्चात् वह इस निश्चय पर पहुंची है कि यही लोग इस के जिम्मेदार है। सेफ्टी परमिट जो इश्यू किया गया था वह श्री वी० के० सिंह को इश्यू किया गया था लेकिन यह हकीकत है कि श्री वी० के० सिंह को यह परमिट नहीं मिला और यह परमिट श्री श्रीवास्तव को दिया गया। अब इस बात की खोज करने को कहा गया है कि जिन के नाम परमिट इश्यू किया गया था, वह परमिट उन को क्यों नहीं मिला और उन्होंने उस जिम्मेदारी को क्यों वहन नहीं किया। इसकी भी जांच की जा रही है।